राष्ट्रीय वैज्ञानिक राजभाषा परिसंवाद
(दिनांक : 25-26 फरवरी, 2019)

भा.कृ.अनु.प. - केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान में दिनांक 25 से 26 फरवरी, 2019 तक **राष्ट्रीय वैज्ञानिक राजभाषा परिसंवाद** का आयोजन किया गया । परिसंवाद में मुख्य अतिथि के रुप में प्रख्यात विज्ञान लेखक **श्री देवेन्द्र मेवाड़ी** उपस्थित थे । डा.दंगल झाल्टे, भूतपूर्व निदेशक केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो एवं डा. डी. डी. ओझा, भूतपूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं विज्ञान लेखक भी परिसवांद में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे ।

स्वागत भाषण एवं परिसंवाद की विस्तृत रुपरेखा डा. राजेश्वर उनियाल, उप निदेशक (राजभाषा) द्वारा प्रस्तुत की गई । उद्घाटन समारोह के अवसर पर अतिथिगण ने अपने विशेष उद्बोधन में हिन्दी की विशिष्टता, व्यापकता और कार्यान्वयन पर विस्तार से प्रकाश डाला । मुख्य अतिथि श्री देवेन्द्र मेवाड़ी ने अपने भाषण में विज्ञान और साहित्य का अद्भुत तादात्म्य स्थापित किया । उन्होंने सरल, सरस, रोचक व बोधगम्य शैली में विज्ञान को आम जनमानस तक पहुंचाने का आहवान किया । अध्यक्षीय भाषण में भा.कृ.अनु.प. - केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान के निदेशक **डा. गोपाल कृष्णा** ने राजभाषा हिन्दी के व्यापक कार्यान्वयन के लिए संगठित प्रयासों के किए जाने पर बल दिया । निदेशक महोदय ने हिन्दी को दिवस, सप्ताह, पखवाड़ा, मास, संगोष्ठी व कार्यशाला से आगे ले जाने का आहवान किया ।

परिसंवाद के उद्घाटन समारोह के अवसर पर निदेशक महेदय एवं अतिथिगणों के करकमलों से संस्थान की गृह पत्रिका जलचरी के 23 वें अंक एवं नवीन परिवर्धित मात्स्यिकी शब्दकोश का विमोचन किया गया । इसी के साथ ही भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित की गई राष्ट्रीय जलचरी लेख प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों की परिसंवाद में उपस्थिति उल्लेखनीय रही । जलचरी पुरस्कृत लेखों के लेखक जिन्होंने परिसंवाद में प्रस्तुतिकरण दिया इस प्रकार हैं :-

1. डा. अरविंद मिश्र
2. डा. धनंजय कुमार वर्मा
3. डा. विनोद कुमार चौधरी
4. डा. शैलेश सौरभ
5. डा. गायत्री त्रिपाठी
6. डा. वी. के. तिवारी
7. डा. पारोमिता बैनर्जी सावंत
8. डा. मो. अकलाकुर
9. डा. अनिरुध्द कुमार

परिसंवाद के द्वितीय दिवस में अतिथियों द्वारा विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किए गए एवं प्रतिभागियों ने भी "वैज्ञानिक संस्थानों में राजभाषा हिन्दी" विषय पर मंगाए गए लेखों का प्रस्तुतिकरण दिया । परिसंवाद के तृतीय सत्र में सामूहिक चर्चा में प्रतिभागियों की राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी शंकाओं का समाधान हुआ । इसके साथ ही राजभाषा हिन्दी के नियमों व नीतियों संबंधी ज्ञान में अभिवृध्दि हुई । इस सत्र में विशेषकर श्री देवेन्द्र मेवाड़ी, डा. राजेश्वर उनियाल, डा. दंगल झाल्टे, डा. डी.डी. ओझा ने अपने विचार व्यक्त किए । राष्ट्रीय वैज्ञानिक राजभाषा परिसंवाद के समापन अवसर पर डा. दंगल झाल्टे ने भोजन के पश्चात् विरेचक की भांति अपने उद्बोधन मे हिन्दी के प्रचार-प्रसार में भारतीय सिनेमा के योगदान को रेखांकित किया । उन्होंने त्रिभाषा सूत्र को हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं के उन्नयन के लिए आवश्यक बताया । उन्होंने कहा कि हिन्दी विभिन्न भारतीय भाषाओं की विविधता के साथ सामंजस्य स्थापित करते हुए एकता के सूत्रधार के रुप में समर्थ हो रही है । श्री देवेन्द्र मेवाड़ी ने कहा कि साहित्यिक रचनाधर्मिता से आमजनता के लिए विज्ञान लेखन की वर्तमान समय में बहुत आवश्यकता है । अपने अध्यक्षीय उद्बोधन मेंअधिष्ठाता (शैक्षणिक) व विभागाध्यक्ष, डा. एन. पी. साहू ने कहा कि हिन्दी को केवल विशेष अवसरों में सीमित न रखकर प्रतिदिन की व्यावहारिक भाषा बनाया जाए । उन्होंने कहा कि परिसंवाद में कृषकों को भी आमंत्रित किया जाना चाहिए था, जिससे परिसंवाद के आयोजन का वास्तविक लक्ष्य हितग्राहियों तक भी पहुंच पाता । परिसंवाद के समापन समारोह में मुख्य अतिथि श्री देवेन्द्र मेवाड़ी, डा. एन. पी. साहू, अधिष्ठाता (शैक्षणिक) एवं विशेष अतिथियों के करकमलों से निम्नलिखित समस्त प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए । मंच संचालन श्री देवेन्द्र कुमार धरम, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने किया ।

क्र.सं.	प्रतिभागी का नाम	पद	ई.मेल	मोबाईल नं.	पता
1	डा. एम.एल.गुप्ता	उप निदेशक (राजभाषा)	hindianubhag@yahoo.in	9460593881	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, मुख्यालय, राजभाषा अनुभाग, नई दिल्ली
2	डा. ए.के. त्रिपाठी	प्रधान वैज्ञानिक	tripathiak1965@gmail.com	9425016068	भा.कृ.अनु.प.-भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान, नबीबाग, बैरासिया रोड, भोपाल- 462038
3	श्रीमती बबीता तिवारी	सहायक	babita.tiwari@icar.gov.in	9827314082	भा.कृ.अनु.प.-भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान, नबीबाग, बैरासिया रोड, भोपाल- 462038
4	डा. पी.के.सिंह	प्रधान वैज्ञानिक	pksingh1975@gmail.com	0947427309	भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पोर्ट ब्लेयर-744101
5	डा. संत राम यादव	सहा. निदेशक (रा.भा.)	sryadav1220@gmail.com	09291532078/ 9154388326	भा.कृ.अनु.प.- केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसंधान सस्थान, संतोष नगर, डाकघर - सैदाबाद, हैदरागाद-500059
6	श्री पारस नाथ यादव	सहा.मु. तक. अधिकारी (रा.भा.)	pnycari @ gmail.com/Paras.Yadav@icar.gov.in	9411005135/8859875244	भा.कृ.अनु.प.- केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर, बरेली -243127 (उ.प्र.)
7	डा. महेश कुमार	वरि. तक. अधिकारी (रा.भा.)	hindi@millets.rcs.in	9441352771	भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान, राजेन्द्र नगर, हैदराबाद-500030, तेलंगाना
8	डा. ओम प्रकाश वर्मा	वैज्ञानिक (सस्य विभाग)	vermap@rediffmail.com	9777798841	भा.कृ.अनु.प.-भारतीय जल प्रबंधन संस्थान, रेल विहार के सामने चंद्रशेखर, भुवनेश्वर, 751023ओडिशा
9	डा.पूजा वर्मा	वैज्ञानिक	Poojavarma1906@gmail.com		भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, पोस्ट बॅग सं.2, शंकरनागर पोस्ट ऑफिस, नागपुर - 440010
10	श्री रजनीकांत चतुर्वेदी	सहा. मुख्य तकनीकी अधिकारी	arkey007@gmail.com		भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, पोस्ट बॅग सं.2, शंकरनागर पोस्ट ऑफिस, नागपुर - 440010
11	डा.अवध बिहारी पांडेय	प्रधान वैज्ञानिक, जैविक माननकीकरण विभाग	abpandeyivri@gmail.com		भा.कृ.अनु.प.-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर-243122,उत्तर प्रदेश
12	डा. विश्व बन्धु चतुर्वेदी	प्रधान वैज्ञानिक	abpandeyivri@gmail.com	9456470477	भा.कृ.अनु.प.-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर-243122,उत्तर प्रदेश
13	श्री रोहितास यादव	पीएच. डी. छात्र, जलकृषि विभाग	rohitashyadav093@gmail.com		भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, वरसोवा, मुंबई-400 061
14	आशुतोष कुमार तिवारी	सहा. निदेशक (राजभाषा)	ashutoshkumartiwari2013@gmail.com	8249222960	राष्ट्रीय चावल अनुसंधान केन्द्र, कटक
15	नवीन कुमार यादव	सहा.निदेशक (राजभाषा)	Nyndav1181@gmail.com	8949210072	केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, कोच्चीन

16	आशुतोष कुमार विश्वकर्मा	सहा.निदेशक (राजभाषा)	ashutosh.wishwakarma.icar@gmail.com	8376087423	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, मुख्यालय, राजभाषा अनुभाग, नई दिल्ली
17	डा. अंजेश कुमार	वरि. तक. अधिकारी (रा.भा.)	anjeshkumar@mail.com/anjeshkumar2020@gmail.com	7677065057	भा.कृ.अनु.प.-भारतीय प्राकृतिक राल एवं गोंद संस्थान, नामकुम, रांची-834010, झारखंड
18	श्री धीरज शर्मा	सहा. निदेशक (रा.भा.)	dhirajsharma@gmail.com	8756812659	भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान, रहमानखेडा, लखनऊ,पो. ऑ-काकोरी, लखनऊ -226101
19.	डा. राजेश्वर नियाल	उप निदेशक (राजभाषा)	rpuniyal@cife.edu.in		के.मा.शि.सं., मुंबई - 61
20.	श्री देवेन्द्र कुमार धरम	सहा. निदेशक (रा.भा.)	devdharam@cife.edu.in		के.मा.शि.सं., मुंबई - 61
21.	श्री प्रताप कुमार दास	सहा.मुख्य तक. अधिकारी	pkdas@cife.edu.in		के.मा.शि.सं., मुंबई - 61
22.	सुश्री रेवती धोंगडे	सहा.मुख्य तक. अधिकारी	dhongde@cife.edu.in		के.मा.शि.सं., मुंबई - 61
23.	श्रीमती रेखा नायर	सहा.मुख्य तक. अधिकारी	rekha@cife.edu.in		के.मा.शि.सं., मुंबई - 61
अन्य सहभागी -					
24.	डा. अरविंद मिश्र	भूतपूर्व उप निदेशक (मात्स्यिकी) एवं भूतपूर्व छात्र के.मा.शि.सं.	meghdootmishra@gmail.com	7991501500	मेघदूत विला, तेलितारा, बक्सा, जौनपुर-222108, उत्तर प्रदेश
25.	डा.अनिरुध्द कुमार	वैज्ञानिक	anirudh.cof@rpcau.ac.in	9472495471	मात्स्यिकी महाविद्यालय, ढोली बिहार
26.	डा.वी.के. तिवारी	प्रधान वैज्ञानिक	vktiwari@cife.edu.in	9167324074	के.मा.शि.सं., मुंबई - 61
27.	डा. अकलाकुर	वैज्ञानिक	aklakur@cife.edu.in		के.मा.शि.सं., मोतीपुर केन्द्र, बिहार
28.	डा.पारोमिता बैनर्जी सावंत	वरिष्ठ वैज्ञानिक	paromita@cife.edu.in	9820731336	के.मा.शि.सं., मुंबई - 61
संकाय/अतिथि वक्ता					
29.	श्री देवेन्द्र मेवाड़ी	विज्ञान लेखक			
30.	डा. दंगल झाल्टे	भूतपूर्व निदेशक केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो			
31.	डा. डी.डी. ओझा	भूतपूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं विज्ञान लेखक			

राष्ट्रीय वैज्ञानिक राजभाषा परिसंवाद में प्रस्तुत संस्तुतियां

(दिनांक : 26 फरवरी, 2019)

राष्ट्रीय वैज्ञानिक राजभाषा परिसंवाद के चौथे सत्र में निम्नलिखित प्रमुख बिंदु उभरकर सामने आए -:

1. **डा. डी.डी. ओझा** ने कहा कि हिन्दी में कई स्तरीय वैज्ञानिक पुस्तकें उपलब्ध हैं । इसके साथ ही हिन्दी में वैज्ञानिक लेख और पुस्तकें लिखने हेतु अन्य प्रोत्साहन योजनाएं भी चलाई जानी चाहिए ।
2. **श्री देवेन्द्र मेवाड़ी** ने कहा कि विज्ञान की शाब्दिक दुरुहता को दूर करते हुए किस्सागोई अंदाज में विज्ञान आम जनमानस तक पहुंचाया जाए । इस अवसर पर श्री देवेन्द्र मेवाड़ी ने विज्ञान की एक सुमधुर कविता प्रस्तुत की ।
3. **श्री आशुतोष कुमार तिवारी** ने पूछा कि इमैन्युअल कांट की समीक्षावाद की वैज्ञानिक परिकल्पना और लेखन में जिस संबंध की चर्चा श्री देवेन्द्र मेवाड़ी जी ने की है, वह संबंध क्या है ? देवेन्द्र मेवाड़ी जी ने उत्तर देते हुए कहा कि अनुभव और मानसिक परिकल्पना, वैज्ञानिक लेखन के दो प्रमुख आधारभूत तत्व हैं । इसी कारण समीक्षावाद और वैज्ञानिक लेखन परस्पर संबंध्द है और किसी अन्य सत्र में व्यापक रुप से इस पर विचार किया जा सकता है ।
4. **डा. राजेश्वर उनियाल,** उप निदेशक (राजभाषा) ने कहा कि हिन्दी एवं भारतीय भाषाएं कल्पना की भाषाएं है, इनमें लौकिक, अलौकिक व पारलौकिक तीनों विषयवस्तु समाहित हैं ।
5. **डा. अवध बिहारी पाण्डेय,** प्रधान वैज्ञानिक ने कहा कि वैज्ञानिक विषयों पर उपलब्ध हिन्दी पुस्तकों को विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों मे पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए ।
6. **श्री ठाकुर दास**, तकनीकी अधिकारी ने हिन्दी व भारतीय भाषाओं के समोत्कर्ष पर बल दिया । उन्होंने मराठी में प्रकाशित पुस्तकों की चर्चा भी की ।
7. **श्री देवेन्द्र मेवाड़ी** ने कहा कि विज्ञान के विकास में कल्पना का असाधारण योगदान रहा है । महान फ्रांसीसी लेखक जूल्स वर्न का संदर्भ देते हुए उन्होंने कहा कि कल्पना ही कालांतर में हकीकत में परिणित होती है ।
8. **डा. वी.के. तिवारी**, प्रधान वैज्ञानिक ने कहा कि हिन्दी को अनिवार्य कर देने पर ही हिन्दी की आशानुकूल प्रगति हो पाएगी ।
9. **डा. अंजेश कुमार** ने कहा हिन्दी व्यवसाय की भी भाषा बनाई जाए, जिससे वैज्ञानिकगण हिन्दी में व्यवसाय करके आर्थिक उपार्जन कर सकें । हिन्दी को शिक्षा और पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाए जाए ।
10. **डा. राजेश्वर उनियाल** ने कहा कि विज्ञान तो वैज्ञानिक ही लिख सकता है, परंतु विज्ञान को साहित्य अर्थात उपन्यास, कविता, कहानी व नाटक आदि में भी लिखा जा सकता है ।

इसी के साथ चर्चा में डा. दंगले झाल्टे, डा.एम.एल. गुप्ता, श्री नवीन यादव, श्री आशुतोष विश्वकर्मा आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए ।